PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 9
Width: 7.92 cms, Height: 5.94 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.38.81

नई दिल्ली में शनिवार को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी सेल चेयरमैन सी.एस. वर्मा को इंदिरा गांधी राजभाषा सम्मान 2013-14 प्रदान करते हुए। साथ में हैं गृहमंत्री राजनाथ सिंह और गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू। (छाया : प्रैट्र.)

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Deccan Herald, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 6
Width: 12.49 cms, Height: 6.86 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.37.49

Rajnath laments lack of Hindi use

NEW DELHI: Union Home Minister Rajnath Singh on Saturday lamented that Hindi was not used more extensively in official work despite a large chunk of people knowing or speaking the language.

Pitching for its regular use in government offices, he said it was ironic that even 67 years after the country's Independence, Hindi was not being used widely in government offices.

"Seventy-five per cent of the people in the country either speak or know Hindi. But we do not use Hindi in official work. Now, such a situation has come that we have to observe 'Hindi Divas'," he said at a "Rajbhasha Samaroh" here.

President's view

Addressing the gathering, President Pranab Mukherjee said Hindi has its own special position in a vast country like India, where many languages are spoken.

"It is the symbol of our social and cultural unity, and is the main connecting language between the people. It also has a significant role in connecting the government to the people. In order to ensure the success of social welfare schemes and programmes, it is necessary to see that they reach the people in their own language," he said.

Mukherjee expressed happiness that the use of Hindi was gaining popularity on the Internet and elsewhere. He said: "We must make all efforts to maximise the usage of Hindi."

DH News Service

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 2
Width: 12.22 cms, Height: 8.66 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.38.27

हालात नहीं सुधरे तो हिन्दी और भारतीय भाषाओं का भविष्य नहीं रहेगा : राजनाथ

नई दिल्ली, (भाषा): गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने सरकारी दफ्तरों में हिन्दी के नियमित इस्तेमाल पर जोर देते हुए इसे विडंबना बताया कि देश की 75 प्रतिशत आबादी के हिन्दी बोलने या समझने के बावजूद आज हमें 'हिन्दी दिवस' मनाना पड़ता है। उन्होंने आगाह किया कि अगर हालात नहीं सुधरे तो हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का कोई भविष्य नहीं रहेगा। राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने वाले मंत्रालयों और विभागों को पुरस्कृत करने संबंधी एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश की आजादी के 67 साल बाद भी सरकारी दफ्तरों में हिन्दी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं हो रहा है। सिंह ने कहा, ''देश की 75 प्रतिशत

आबादी हिन्दी बोलती या समझती है, लेकिन हम सरकारी काम में हिन्दी का इस्तेमाल नहीं करते हैं। अब ऐसी स्थिति आ गई है कि हमें 'हिन्दी दिवस' मनाना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, अगर यही हालात रहे तो हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का कोई भविष्य नहीं होगा और ऐसी स्थिति बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होगी। गृह मंत्री ने कहा कि बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चन्द्र बोस और सी. राजगोपालाचारी जैसे गैर-हिन्दी भाषी देश के दिग्गज नेताओं ने हिन्दी को बढ़ावा देने और उसका विस्तार करने की वकालत की थी। इक्कीसवीं सदी को भारतीय और एशियाई भाषाओं की सदी बताते हुए उन्होंने कहा कि इन्हें बढ़ावा देने के सभी प्रयास किए जाने चाहिए।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 4
Width: 9.26 cms, Height: 7.21 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.47.24

सरकार व लोगों को जोड़ने में हिंदी की अहम भूमिका : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (भाषा)। हिंदी भाषा को भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताते हुए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शनिवार को कहा कि इस भाषा की सरकार तथा लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका है। गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह 'राजभाषा समारोह' में राष्ट्रपति ने कहा 'भारत जैसे विशाल देश में, जहां बहुत सी भाषाएं बोली जाती हैं, हिंदी का अपना विशेष स्थान है। यह हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है और लोगों के बीच की मुख्य संपर्क भाषा है। हिंदी की सरकार तथा लोगों को जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका है।' हिंदी के संवर्धन के लिए विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों को पुरस्कार वितरित करते हुए राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि 'राजभाषा' पुरस्कार लोगों को आगे इस भाषा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। सामाजिक कल्याण योजनाओं और कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि उन्हें लोगों की अपनी भाषाओं में पेश किया जाए। उन्होंने कहा 'इसलिए हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल इस तरीके से किया जाना चाहिए कि विकास योजनाओं की सूचना तथा लाभ आम आदमी तक आसानी से पहुंच सकें।'

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Sunday 16th November 2014, Page: 3
Width: 12.19 cms, Height: 9.36 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.40.38

कल्याणकारी नीतियों की जानकारी जनता की भाषाओं में पहुंचाना जरूरी: प्रणब

एजेंसी. नई दिल्ली

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शनिवार को कहा कि कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल करना होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि सरकार इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। मुखर्जी ने यहां राजभाषा समारोह को संबोधित करते हुए जर्मन हिंदी विद्वान लोथार लुत्से के उस जुमले का भी उल्लेख किया कि हिंदी सीखे बिना भारतीयों के दिल तक नहीं पहुंचा जा सकता। ईसा पूर्व तीसरी सदी से बारहवीं ईसवी सदी के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में भारत की बेहतरीन स्थिति का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भाषा के अधिकारिक प्रयोग के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय में सचिव श्री बिमल जुल्का को राजभाषा पुरुस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर गृहमंत्री राजनाथ सिंह, गृह राज्यमंत्री श्री किरेन रिजिजू और राजभाषा सचिव, गृह मंत्रालय श्रीमती नीता चौधरी भी उपस्थित थे।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 4
Width: 4.58 cms, Height: 7.11 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.47.25

हिन्दी का नियमित प्रयोग हो : राजनाथ

नई दिल्ली (भाषा)। गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने सरकारी दफ्तरों में हिन्दी के नियमित इस्तेमाल पर जोर देते हुए इसे विडंबना बताया कि देश की 75 प्रतिशत आबादी के हिन्दी बोलने या समझने के बावजूद आज हमें 'हिन्दी दिवस' मनाना पड़ता है। उन्होंने आगाह किया कि अगर हालात नहीं सुधरे तो हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं का कोई भविष्य नहीं रहेगा। राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने वाले मंत्रालयों और विभागों को पुरस्कृत करने संबंधी कार्यक्र म में उन्होंने कहा, इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश की आजादी के 67 साल बाद भी सरकारी दफ्तरों में हिन्दी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 4
Width: 13.94 cms, Height: 9.97 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.47.23

शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने सेल के चेयरमैन सीएस वर्मा को इंदिरा गांधी राजभाषा अवार्ड 2013-14 से नवाजा। इस मौके पर गृहमंत्री राजनाथ सिंह व गृहराज्यमंत्री किरन रिजिजू भी मौजूद थे।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 17
Width: 16.65 cms, Height: 9.97 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.27.63

हिंदी भाषा सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक : प्रणब

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 15 नवंबर। हिंदी भाषा को भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताते हुए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शनिवार को कहा कि इस भाषा की सरकार और लोगों को जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। गृह मंत्रालय की ओर से आयोजित राजभाषा समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में, जहां बहुत सी भाषाएं बोली जाती हैं, हिंदी का अपना विशेष स्थान है। यह हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है और लोगों के बीच की मुख्य संपर्क भाषा है।

हिंदी के संवर्धन के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को पुरस्कार वितरित करते हुए राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि राजभाषा पुरस्कार लोगों को इस भाषा को और अधिक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। मुखर्जी ने कहा कि सामाजिक कल्याण योजनाओं और कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि उन्हें लोगों की अपनी भाषाओं में पेश किया जाए। इसलिए, हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल इस तरीके से किया जाना चाहिए कि विकास योजनाओं की सूचना और लाभ आम आदमी तक आसानी से पहुंच सके।

उन्होंने भारत को ज्ञान और विज्ञान का केंद्र बनाने के लिए बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक विज्ञान और तकनीक की पुस्तकें विद्यार्थियों को अपनी भाषा में उपलब्ध कराए जाने पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि इंटरनेट, मोबाइल फोन आदि विभिन्न मीडिया में हिंदी लोकप्रियता हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के सभी प्रयास करने चाहिए।

गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर सरकारी दफ्तरों में हिंदी के नियमित इस्तेमाल पर जोर देते हुए इसे विडंबना बताया कि देश की 75 फीसद आबादी के हिंदी बोलने या समझने के बावजूद आज हमें हिंदी दिवस मनाना पड़ता है। उन्होंने आगाह किया कि अगर हालात नहीं सुधरे तो हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं का कोई भविष्य नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश की आजादी के 67 साल बाद भी सरकारी दफ्तरों में हिंदी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी अपने स्वागत संबोधन में हिंदी में कामकाज किए जाने पर जोर दिया। समारोह में केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि को इंदिरा गांधी राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Millennium Post, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 1
Width: 4.74 cms, Height: 12.87 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.30.9

Hindi a symbol of cultural unity of India: President

NEW DELHI: Describing Hindi as the symbol of social and cultural unity of India, President Pranab Mukherjee on Saturday said the language has a significant role in connecting the government and the people.

"In a vast country like India, where many languages are spoken, Hindi has its own special position. It is the symbol of our social and cultural unity and is the main connecting language between the people. Hindi also has a significant role in connecting the government and the people," he said at a function, 'Rajbhasha Samaroh', organised by the Home Ministry. Giving awards to different ministries and departments for their initiatives for promoting Hindi, the President expressed the hope that the 'Rajbhasha Awards' would further encourage people to adopt the language. AGENCIES

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 11
Width: 12.72 cms, Height: 15.89 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.29.110

हिन्दी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक : राष्ट्रपति

सरकार और लोगों को जोड़ने में भी यह एक अहम भाषा

नई दिल्ली (प्रे)। हिन्दी भाषा को भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताते हुए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने शनिवार को कहा कि इस भाषा की सरकार तथा लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित 'राजभाषा समारोह' में राष्ट्रपति ने कहा- 'भारत जैसे विशाल देश में, जहां बहुत-सी भाषाएं बोली जाती हैं, हिन्दी का अपना विशेष स्थान है। यह हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है और लोगों के बीच की मुख्य संपर्क भाषा। सरकार तथा लोगों को जोड़ने में भी हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका है।'

हिन्दी के संवर्धन के लिए विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों को पुरस्कार वितरित करते हुए राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि राजभाषा पुरस्कार लोगों को इस भाषा को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। मुखर्जी ने कहा कि सामाजिक कल्याण योजनाओं और कार्यक्रमों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि उन्हें लोगों की अपनी भाषाओं में पेश किया जाए।

उन्होंने कहा- 'इसलिए, हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल इस तरीके से किया जाना चाहिए कि विकास योजनाओं की सूचना तथा लाभ आम आदमी तक आसानी से पहुंच सके।' राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि इंटरनेट, मोबाइल फोन आदि विभिन्न मीडिया में हिन्दी लोकप्रियता हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें हिन्दी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने के सभी प्रयास करने चाहिए। इस मौके पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता के 67 वर्ष बाद भी सरकारी दफ्तरों में हिन्दी का व्यापक इस्तेमाल नहीं होना एक विडंबना है। उन्होंने कहा- 'देश के सत्तर फीसद लोग या तो हिन्दी बोलते हैं या जानते हैं, लेकिन हम सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग नहीं करते। अब स्थिति यह है कि हमें हिन्दी दिवस मनाना पड़ता है।'

उन्होंने कहा कि यदि यह स्थिति कायम रही तो हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का कोई भविष्य नहीं होगा और वह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गैर हिन्दी भाषी नेताओं बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस तथा सी. राजगोपालाचारी ने भी हिन्दी के विकास तथा प्रसार की वकालत की थी।

राष्ट्रपति ने इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार बिमल जुल्का को प्रदान किया।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Pioneer, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 5
Width: 20.87 cms, Height: 13.72 cms, a4r, Ref: pmin.2014-11-16.24.22

Rajnath for use of Hindi in Govt offices

PNS ▪ NEW DELHI

Despite Hindi being the national language of the country, the irony remains that Government has to set aside a day or a week to encourage the use of language in Government work. Expressing concern over this situation, Union Home Minister Rajnath Singh said that with such a scenario, there would be no future for Hindi and other Indian languages.

"Seventy-five per cent of the people in the country either speak or know Hindi. But we do not use Hindi in official work. Now such a situation has come that we have to observe Hindi Divas," Singh said at the 'Rajbhasha Samaroh' in Vigyan Bhawan.

While pitching for the use of national language regularly in Government offices, Home Minister said although three-fourths of the Indian people know or speak Hindi yet the language is not used amply in official work even after 67 years of country's Independence.

The Home Minister said that non-Hindi speaking stalwarts of India's freedom movement like Bal Gangadhar Tilak, Subhash Chandra Bose and C Rajagopalachari had advocated the promotion of Hindi

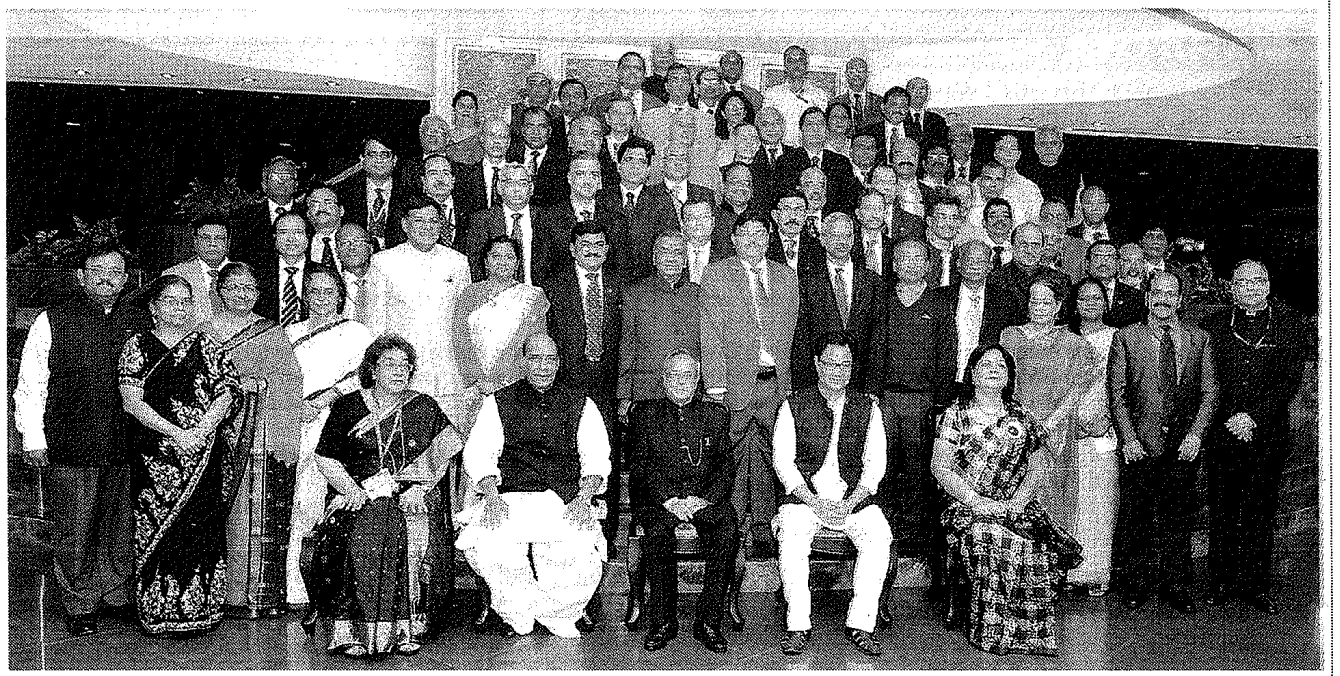

President Pranab Mukherjee, Home Minister Rajnath Singh, MoS Home Affairs Kiren Rijiju with the awardees of the Indira Gandhi Rajbhasha Awards 2013-14 in New Delhi on Saturday PTI

For his part, President Pranab Mukherjee said the language has a significant role in connecting the Government and the people.

"In a vast country like India, where many languages are spoken, Hindi has its own special position. It is the symbol of our social and cultural unity and is the main connecting language between the people. Hindi also has a significant role in connecting the Government and the people," he said.

Department of Finance Service, Food and Public Distribution, Railways, Information and Broadcasting, Parliamentary Affairs and Telecommunications were some of the Ministries that were given the Rajbhasha Awards for their extra-ordinary efforts in promoting Hindi.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Asian Age, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 3
Width: 19.66 cms, Height: 11.04 cms, a4r, Ref: pmin.2014-11-16.25.31

2/3rds in country use Hindi, but lack of use ironic, says Rajnath Singh

Centre wants Hindi in govt offices

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, NOV. 15

The NDA government on Saturday once again made a strong pitch for use of Hindi in official work as well as all walks of life. Home minister Rajnath Singh pitched for its use regularly in government offices, saying that even though three-fourths of the Indian people know or speak Hindi, it is ironic that the language is not used more extensively in official work.

Mr Singh said Hindi faces a crisis if no one uses Hindi there would be no future for Hindi as well as other Indian languages. The home minister said that non-Hindi speaking stalwarts of India's freedom movement like Bal Gangadhar Tilak, Subhash Chandra Bose and C. Rajagopalachari had advocated the promotion and expansion of Hindi. Mr Singh said that the 21st century is the century of Indian and Asian languages and all efforts must be made for their promotion.

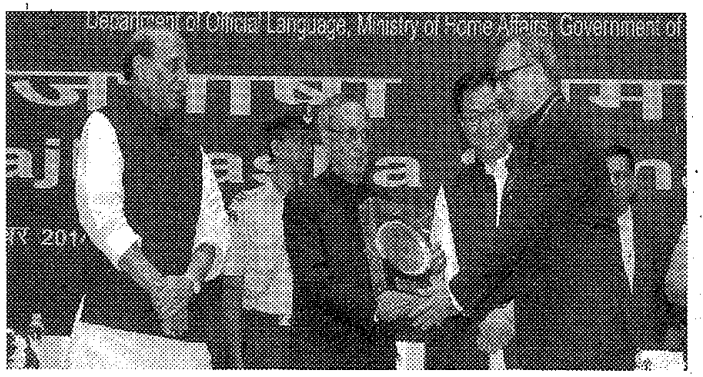

President Pranab Mukherjee (centre) presents the Official Language Award to I&B secretary Bimal Julka in New Delhi on Saturday. Union home minister Rajnath Singh (left) and MoS for home affairs Kiren Rijiju are also seen.

Describing Hindi as the symbol of social and cultural unity of India, President Pranab Mukherjee on Saturday said the language has a significant role in connecting the government and the people. "In a vast country like India, where many languages are spoken, Hindi has its own special position. It is the symbol of our social and cultural unity and is the main connecting language between the people. Hindi also has a significant role in connecting the government and the people," he said at the "Rajbhasha Samaroh".

Mr Mukherjee said that in order to ensure that social welfare schemes are successful, it is necessary to see to it that they are presented to the people in their own language. "Therefore, Hindi and other Indian languages should be used in a manner that the information and benefit of the development schemes can easily reach the common man," he said.

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Times of India, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 19
Width: 4.49 cms, Height: 19.85 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.34.117

Heisenberg's theory based on Vedas, says Rajnath

Deeptiman.Tiwary
@timesgroup.com

New Delhi: In line with BJP's consistent emphasis on projecting the country's ancient knowledge, home minister Rajnath Singh on Saturday said that fundamentals of German physicist Werner Heisenberg's principle of uncertainty (in quantum physics) were based on Vedas.

Rajnath Singh

The statement, made on Hindi Diwas, is based on assertions made in a 1975 book by Fritjof Capra. But the home ministry's press note on the issue made the minister look rather ignorant.

The press note quoted Singh as saying: "Famous scientist Eisenhower's theory of uncertainty was based on Vedas." However, a careful listening of the minister's speech shows that he actually mentioned "Heisenberg" and not "Eisenhower".

Singh said Capra has mentioned that Heisenberg got the fundamentals of his idea in a conversation over Vedas with Rabindranath Tagore. Addressing a function to felicitate different ministries, Singh said, "Seventy-five per cent of the people in the country either speak or know Hindi. But we do not use Hindi in official work. Now, such a situation has come that we have to observe 'Hindi Diwas'," he said.

For the full report, log on to www.timesofindia.com

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Millennium Post, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 5
Width: 7.07 cms, Height: 6.60 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-16.30.75

THDCIL CMD R S T Sai receiving the Indira Gandhi Rajbhasha Award from President Pranab Mukherjee in the presence of Home Minister Rajnath Singh and MoS for Home Kiren Rijiju

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Sunday 16th November 2014, Page: 1
Width: 20.70 cms, Height: 10.75 cms, a4r, Ref: pmin.2014-11-16.31.12

आहत : राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने राज भाषा हिंदी की उपेक्षा पर जताई चिंता

75% की बोली सरकारी कामकाज से गायब

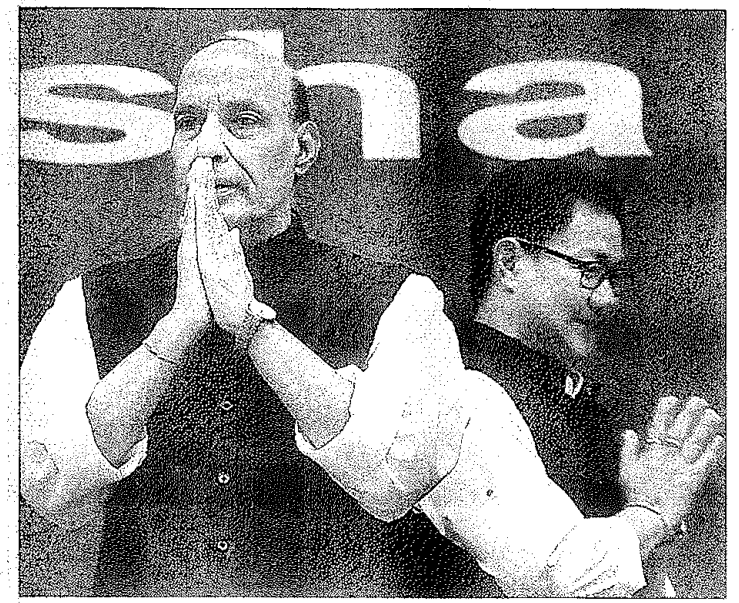

'राजभाषा पुरस्कार 2013-14' कार्यक्रम में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह और गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजू। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की तीन चौथाई आबादी द्वारा बोली और समझी जाने वाली राज भाषा हिंदी की उपेक्षा पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने गहरी चिंता जताई है। दोनों ने सरकारी कार्यालयों में इसके व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया। राजनाथ के अनुसार, 'देश के 75 फीसद लोग हिंदी बोलते या समझते हैं। लेकिन हम सरकारी कामकाज में इसका प्रयोग नहीं करते। यह सरकारी कामकाज से एक तरह से गायब है। हालत यह हो गई है कि अब इसके प्रचार-प्रसार के लिए हमें हिंदी दिवस का आयोजन करना पड़ रहा है।' जबकि प्रणब का कहना था, 'हिंदी हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक एकता की प्रतीक है।'

राष्ट्रपति के साथ राजनाथ सिंह शनिवार को गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित राज भाषा समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में गृह मंत्री ने अफसोस जताया कि आजादी के 67 वर्षों बाद भी सरकारी दफ्तरों में हिंदी का व्यापक प्रयोग नहीं किया जा रहा है। राजनाथ ने आगाह किया, 'अगर हालात ऐसे ही रहे तो यह हिंदी और भारतीय भाषाओं के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। ऐसा हुआ तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण होगा।'

राजनाथ ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के इस्तेमाल पर दिया जोर

अंग्रेजी बोलने वाले हैं कम

देश में अंग्रेजी ढाई लाख लोगों की प्राथमिक भाषा है। भारत में अंग्रेजी बोलने वालों की संख्या करीब 12.5 करोड़ है। इसके बावजूद सरकारी कामकाज में अंग्रेजी का प्रयोग धड़ल्ले से होता है।

बकौल गृह मंत्री, 'बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस और सी राजगोपालाचारी सरीखे स्वतंत्रता आंदोलन के गैर हिंदी भाषी क्षेत्रों के दिग्गज सेनानियों ने भी हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया था।' राजनाथ ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के नियमित इस्तेमाल पर जोर दिया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा, 'भारत जैसे विशाल देश में जहां कई भाषाएं बोली जाती हैं, उसमें हिंदी का विशेष स्थान है। यह हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक एकता की प्रतीक है। हिंदी लोगों को आपस में जोड़ने के लिए मुख्य संपर्क भाषा भी है। यह सरकार और जनता के बीच सेतु का भी काम करती है।' इस समारोह में हिंदी को प्रोत्साहित करने वाले विभागों को पुरस्कृत किया गया।

संस्कृत पढ़ाने पर भड़के वाइको >> 13

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Deccan Herald, Bangalore
Sunday 16th November 2014, Page: 10
Width: 12.49 cms, Height: 7.07 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-17.23.23

Rajnath laments lack of Hindi use

NEW DELHI: Union Home Minister Rajnath Singh on Saturday lamented that Hindi was not used more extensively in official work despite a large chunk of people knowing or speaking the language.

Pitching for its regular use in government offices, he said it was ironic that even 67 years after the country's Independence, Hindi was not being used widely in government offices.

"Seventy-five per cent of the people in the country either speak or know Hindi. But we do not use Hindi in official work. Now, such a situation has come that we have to observe 'Hindi Divas'," he said at a "Rajbhasha Samaroh" here.

President's view

Addressing the gathering, President Pranab Mukherjee said Hindi has its own special position in a vast country like India, where many languages are spoken.

"It is the symbol of our social and cultural unity, and is the main connecting language between the people. It also has a significant role in connecting the government to the people. In order to ensure the success of social welfare schemes and programmes, it is necessary to see that they reach the people in their own language," he said.

Mukherjee expressed happiness that the use of Hindi was gaining popularity on the Internet and elsewhere. He said: "We must make all efforts to maximise the usage of Hindi."

DH News Service

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rajasthan Patrika, Jaipur
Sunday 16th November 2014, Page: 12
Width: 21.51 cms, Height: 10.98 cms, a4r, Ref: pmin.2014-11-17.8.16

राजभाषा समारोह में राष्ट्रपति ने कहा

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है हिंदी

कहा, शिक्षा क्षेत्र में देश के गौरव को वापस लाना होगा

नई दिल्ली

jaipur@patrika.com

राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने शनिवार को कहा कि कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं का इस्तेमाल इस प्रकार से करना होगा कि आम आदमी तक इनकी जानकारी सरलता से पहुंचे और उन्हें खुशी है कि सरकार इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। मुखर्जी ने यहां राजभाषा समारोह में कहा कि सामाजिक नीतियों और योजनाओं की सफलता के लिए उन्हें जनता तक उन्हीं की भाषा में पहुंचाया जाना जरूरी है ताकि आम आदमी सुगमता से उनके बारे में जान सके। राष्ट्रपति ने कहा, नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय दुनिया भर से विद्वानों और छात्रों को आकर्षित करते थे। हमें एक बार फिर से भारत के उस गौरव को वापस लाना होगा तथा उसे ज्ञान और विज्ञान का केंद्र बनाना होगा। ।

नई दिल्ली में शनिवार को राजभाषा समारोह में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव बिमल जुल्का को कार्यालयीन भाषा पुरस्कार देते राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। साथ में केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री किरण रिजिजु।

भारतीय या एशियाई भाषाओं की होगी 21वीं सदी: राजनाथ

केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस, जर्मनी, जापान जैसे विकसित देश ही नहीं, बल्कि चीन व कोरिया भी अपनी भाषा में काम करते हैं लेकिन जिस देश की 75 प्रतिशत आबादी हिन्दी समझती है वहां आज भी संपूर्ण रूप से हिन्दी में कामकाज नहीं हो पा रहा है। दावा किया कि बीसवीं सदी भले ही अंग्रेजी और पाश्चात्य भाषाओं की रही है, लेकिन 21वीं सदी भारतीय भाषाओं अथवा एशियाई भाषाओं की सदी होगी। गृह राज्य मंत्री किरण रिजिजु ने कहा, हिंदी के पास स्वतंत्रता संघर्ष का संस्कार है। यह सशक्त एवं सरल भाषा है। लिपि और व्याकरण की दृष्टि से हिन्दी अधिक वैज्ञानिक भाषा है। निरंतर प्रयोग में लाने से कोई भी भाषा स्वतः अपनी लगती है।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Asian Age, Delhi
Monday 17th November 2014, Page: 6
Width: 10.79 cms, Height: 8.70 cms, a4, Ref: pmin.2014-11-17.33.146

Pushing Hindi ill-advised

Union home minister Rajnath Singh must take care not to allow Hindi chauvinism to further alienate large sections of India that don't normally speak Hindi or its dialects. The promotion of Hindi as a national language isn't a dead idea: there is a place in any society to promote local languages. But to insist on extensively using Hindi in official communications, particularly between New Delhi and states, would be to defy constitutional guarantees to all citizens. In a country of such diversity, any unreasoning pursuit of uniformity will be disastrous.

The imposition of Hindustani or Hindi is an old idea that lost relevance a long ago, and has little place in a shrinking world that is undergoing so much transformation. Even when it was first thought of in the Constituent Assembly, critics denounced chauvinists' aims. T.T. Krishnamachari echoed the sentiment, saying back then: "This kind of intolerance makes us fear the strong Centre which we need, a strong Centre which is necessary, will also mean enslavement of people who do not speak the language of the Centre." These words are relevant even today.

Given the number of officially recognised languages, it would ill behove the new government to churn out old ideas to further its votebank in the Hindi heartland. To say 75 per cent of people know or speak Hindi is to take vast liberties with the truth. As home minister, Mr Singh should be careful to trigger further divisive tendencies. Language is a means of communication, not a political tool.